रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण

वाक्य की परिभाषा

भाषा हमारे भावों-विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा की रचना वर्णों, शब्दों और वाक्यों से होती है। दूसरे शब्दों में, वर्णों से शब्द, शब्दों से वाक्य और वाक्यों से भाषा का निर्माण हुआ है। शब्दों का वह व्यवस्थित रूप, जिसमें एक पूर्ण अर्थ की प्रतीति होती है, वाक्य कहलाता है।

वाक्य के तत्त्व

वाक्य प्रयोग में एक प्रकार का क्रम तथा व्यवस्था रहने से भाषा में विशिष्टता आती है। 'व्याकरण' वाक्य संरचना को संचालित करने के नियमों का माध्यम है। किसी भी वाक्य में सार्थकता, क्रम, योग्यता, आकांक्षा, आसक्ति एवं अन्वय तत्त्वों का होना अनिवार्य है, जिनका वर्णन निम्नवत् है

(i) **सार्थकता** सार्थकता वाक्य का प्रमुख गुण है। इसके लिए आवश्यक है कि वाक्य में सार्थक शब्दों का ही प्रयोग हो, तभी वाक्य भावाभिव्यक्ति के लिए सक्षम होगा; *जैसे*—राम रोटी पीता है। यहाँ 'रोटी पीना' सार्थकता का बोध नहीं कराता, क्योंकि रोटी खाई जाती है। सार्थकता की दृष्टि से यह वाक्य अशुद्ध माना जाएगा।

सार्थकता की दृष्टि से सही वाक्य होगा— **राम रोटी खाता है।**

(ii) **क्रम** क्रम से तात्पर्य है— पदक्रम। सार्थक शब्दों को भाषा के नियमों के अनुरूप क्रम में रखना चाहिए। वाक्य में शब्दों के अनुकूल क्रम के अभाव में अर्थ का अनर्थ हो जाता है; *जैसे*—नाव में नदी है।

इस वाक्य में सभी शब्द सार्थक हैं, फिर भी क्रम के अभाव में वाक्य गलत है। सही क्रम करने पर **नदी में नाव है** वाक्य बन जाता है, जो शुद्ध है।

(iii) **योग्यता** वाक्य में सार्थक शब्दों के भाषानुकूल क्रमबद्ध होने के साथ-साथ उसमें योग्यता अनिवार्य तत्त्व है। प्रसंग के अनुकूल वाक्य में भावों का बोध कराने वाली योग्यता या क्षमता होनी चाहिए। इसके अभाव में वाक्य अशुद्ध हो जाता है; *जैसे*— हिरण उड़ता है।

यहाँ पर हिरण और उड़ने की परस्पर योग्यता नहीं है, अत: यह वाक्य अशुद्ध है। यहाँ पर **उड़ता** के स्थान पर **चलता** या **दौड़ता** लिखें, तो वाक्य शुद्ध हो जाएगा।

(iv) **आकांक्षा** आकांक्षा का अर्थ है— श्रोता की जिज्ञासा। वाक्य भाव की दृष्टि से इतना पूर्ण होना चाहिए कि भाव को समझने के लिए कुछ जानने की इच्छा या आवश्यकता न हो।

दूसरे शब्दों में, किसी ऐसे शब्द या समूह की कमी न हो जिसके बिना अर्थ स्पष्ट न होता हो।

उदाहरण के लिए—कोई व्यक्ति हमारे सामने आए और हम केवल उससे 'तुम' कहें, तो वह कुछ भी नहीं समझ पाएगा। यदि कहें कि अमुक कार्य करो, तो वह पूरी बात समझ जाएगा। इस प्रकार वाक्य का आकांक्षा तत्त्व अनिवार्य है।

(v) **आसक्ति** आसक्ति का अर्थ है— समीपता। एक पद सुनने के बाद उच्चारित अन्य पदों के सुनने के समय में संबंध, आसक्ति कहलाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

यदि उपरोक्त सभी बातों की दृष्टि से वाक्य सही हो, लेकिन किसी वाक्य का एक शब्द आज, एक कल और एक परसों कहा जाए, तो उसे वाक्य नहीं कहा जाएगा। अतएव वाक्य के शब्दों के उच्चारण में समीपता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में, पूरे वाक्य को एक साथ कहा जाना चाहिए।

(vi) **अन्वय** अन्वय का अर्थ है कि पदों में व्याकरण की दृष्टि से लिंग, पुरुष, वचन, कारक आदि का सामंजस्य होना चाहिए। अन्वय के अभाव में भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अत: अन्वय भी वाक्य का महत्त्वपूर्ण तत्त्व है।

जैसे—नेताजी का लड़का का हाथ में बंदूक था।

इस वाक्य में भाव तो स्पष्ट है, लेकिन व्याकरणिक सामंजस्य नहीं है। अत: यह वाक्य अशुद्ध है। यदि इसे **नेताजी के लड़के के हाथ में बंदूक थी** कहें तो वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होगा।

वाक्य रचना से संबंधित आवश्यक तथ्य

वाक्य रचना से संबंधित आवश्यक तथ्य निम्नलिखित हैं

- वाक्य के सभी पदों का पूरा अर्थ अवश्य स्पष्ट होना चाहिए।
- वाक्य के सही अर्थ को जानने के लिए शब्दों का उचित क्रम में होना अत्यंत आवश्यक है। वाक्य में यदि शब्द सही क्रम में नहीं होते, तो वाक्य का अर्थ ही बदल जाता है।
- वाक्य में जो शब्द प्रयुक्त किए जा रहे हैं, उन्हें सार्थक होने के साथ-साथ प्रसंगानुकूल भी होना चाहिए।
- बोलते या लिखते समय वाक्य में प्रयुक्त शब्दों में निकटता का होना आवश्यक है, क्योंकि जब शब्दों को रुक-रुककर बोला जाता है, तो वे अर्थ में व्यवधान उत्पन्न करते हैं।
- जो वाक्य लिखा जा रहा है, वह अपने आप में पूरा होना चाहिए।
- वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रिया का लिंग, वचन, पुरुष तथा कारक में मेल होना अत्यंत आवश्यक है।

वाक्य के घटक

कर्ता और क्रिया वाक्य के मूल घटक होते हैं, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति में वाक्य संभव नहीं है। कर्ता और क्रिया के अतिरिक्त विशेषण, क्रियाविशेषण, कारक आदि को ऐच्छिक घटक कहा जा सकता है।

कर्ता और क्रिया के आधार पर वाक्य के दो घटक होते हैं

1. उद्देश्य

वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं। उद्देश्य के अर्थ में विशेषता प्रकट करने के लिए जो शब्द या वाक्यांश कर्ता के साथ जोड़े जाते हैं, उन्हें **उद्देश्य का विस्तारक** कहा जाता है।

उद्देश्य का विस्तार निम्न प्रकार से होता है

(i) संज्ञा से (ii) सर्वनाम से
(iii) विशेषण से (iv) वाक्यांश से

जैसे—मेहनती व्यक्ति सदा सफल होता है।

यहाँ पर 'मेहनती' विशेषण, उद्देश्य 'व्यक्ति' का विस्तारक है।

2. विधेय

वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है। वे शब्द जो विधेय के अर्थ में विशेषता बताने का कार्य करते हैं, 'विधेय के विस्तारक' कहलाते हैं।

विधेय (क्रिया) का विस्तार निम्न प्रकार से होता है

(i) कारक द्वारा (ii) क्रियाविशेषण द्वारा
(iii) पूरक द्वारा (iv) पूर्वकालिक क्रिया द्वारा

जैसे—मेरी छोटी बहन कजरी स्वादिष्ट भोजन बनाती है।

यहाँ पर 'बनाती है' विधेय का 'स्वादिष्ट भोजन' विस्तारक है।

वाक्य के भेद

रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद हैं

1. सरल वाक्य

जिन वाक्यों में एक उद्देश्य तथा एक ही विधेय होता है, सरल वाक्य कहलाते हैं। इन वाक्यों में एक मुख्य क्रिया होती है। यह आवश्यक नहीं कि सरल वाक्य लंबे हों वह छोटे भी हो सकते हैं; जैसे—

- रमेश प्रतिदिन घर का कार्य करने के पश्चात् भी समय से स्कूल पहुँचता है।
- लोग टोलियाँ बनाकर मैदान में घूमने लगे।

उपरोक्त वाक्य सरल वाक्य हैं, क्योंकि इन वाक्यों में केवल एक ही मुख्य क्रिया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. संयुक्त वाक्य

संयुक्त वाक्यों में दो या दो से अधिक उपवाक्य होते हैं। वे सभी उपवाक्य स्वतंत्र होते हैं तथा समान स्तर के अर्थात् किसी पर आश्रित नहीं होते। ये उपवाक्य विभिन्न समानाधिकरण योजक (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, अत:, फिर भी, तो, नहीं तो, किंतु, परंतु, लेकिन आदि) शब्दों की सहायता से जुड़े रहते हैं; जैसे—

- ये वज़ीर अली आदमी है या भूत।
- मुझे बुखार था, इसलिए मैं विद्यालय नहीं जा सका।

ये सभी वाक्य विभिन्न समानाधिकरण योजकों (रेखांकित भाग) के द्वारा जुड़े हुए हैं।

3. मिश्र वाक्य

वे वाक्य जिनमें एक प्रधान (मुख्य) उपवाक्य हो तथा एक या एक से अधिक उपवाक्य उस पर आश्रित हों, मिश्र वाक्य कहलाते हैं अर्थात् इन वाक्यों की रचना एक से अधिक सरल वाक्यों से होती है। इसमें प्रयुक्त उपवाक्य परस्पर व्यधिकरण योजकों (जैसे—यदि, कि, तो, जो, अगर, इसलिए आदि) शब्दों से जुड़े होते हैं; जैसे—

- मैं भी वही भोजन खाऊँगा, जो मेरे पिता ने खाया है।
  (प्रधान उपवाक्य) (आश्रित उपवाक्य)
- गाय ही ऐसा पशु है, जो हिंदुओं के लिए आदरणीय है
  (प्रधान उपवाक्य) (आश्रित उपवाक्य)

उपवाक्य

कई बार एक वाक्य में अनेक उपवाक्य होते हैं, जिनमें एक प्रधान तथा शेष गौण या आश्रित होते हैं। प्रधान (मुख्य) उपवाक्य वह है, जिसकी क्रिया मुख्य होती है। आश्रित उपवाक्यों का आरंभ प्राय: 'कि', 'जो', 'जिसे', 'यदि', 'क्योंकि' आदि शब्दों से होता है; जैसे—

- मधु स्वस्थ हो गई, क्योंकि उसने दवाई समय पर ली।
- गाँधीजी ने कहा कि हमें सदा सत्य बोलना चाहिए।

आश्रित उपवाक्यों के भेद

मिश्र वाक्य में प्रयुक्त होने वाले आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं

1. संज्ञा उपवाक्य

जो आश्रित उपवाक्य संज्ञा की तरह व्यवहार में आता हो, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं। यह कर्म या पूरक का काम करता है, जैसा संज्ञा करती है। संज्ञा उपवाक्य की पहचान यह है कि इस उपवाक्य के पूर्व 'कि' होता है; जैसे—

- माताजी ने कहा कि आज खीर बनाएँगी।
- युधिष्ठिर ने कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते।

2. विशेषण उपवाक्य

विशेषण की तरह व्यवहार में आने वाला अर्थात् किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताने वाला वाक्यांश आश्रित उपवाक्य विशेषण उपवाक्य कहलाता है।

मुख्य उपवाक्य के कौन, किसे, किन्हें आदि प्रश्न का जो उत्तर होता है, वह विशेषण उपवाक्य होता है। विशेषण उपवाक्य वाक्य के आरंभ या मध्य में कहीं भी आ सकता है; जैसे—

- उस लड़की को अंदर बुलाओ, जो बरामदे में बैठी है।
- यह वही लड़की है, जिसने कल शोर मचाया था।

3. क्रियाविशेषण उपवाक्य

मुख्य उपवाक्य की क्रिया के संबंध में सूचना देने वाला अर्थात् क्रियाविशेषण की तरह व्यवहार में आने वाला उपवाक्य क्रियाविशेषण उपवाक्य कहलाता है; जैसे—

- जब मैं भारत में रहता था, तब रोज़ सुबह उठता था। *(समय)*
- जहाँ वह रहती थी, वहाँ अब पशु रहते हैं। *(स्थान)*

वाक्य रूपांतरण

वाक्यों के एक स्वरूप को दूसरे स्वरूप में परिवर्तित करने को वाक्य परिवर्तन अथवा वाक्य रूपांतरण कहते हैं। वाक्य रूपांतरण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि वाक्य रचना बदलनी चाहिए, किंतु उसका अर्थ नहीं बदलना चाहिए।

उदाहरण के लिए—कवि, लेखक, कलाकार, राजनेता, डॉक्टर, वैज्ञानिक आदि सभी अपनी योग्यता, रुचि तथा सामर्थ्य के अनुसार भाषा का प्रयोग करते हैं।

वाक्य रूपांतरण करते समय ध्यान रखने योग्य बातें

वाक्य रूपांतरण करते समय निम्नलिखित बातें ध्यान रखनी चाहिए

- केवल वाक्य रचना बदलनी चाहिए, अर्थ नहीं।
- सरल वाक्यों को मिश्र या संयुक्त वाक्य बनाते समय कुछ शब्द या संबंधबोधक अव्यय अथवा योजक शब्द आदि जोड़ना; जैसे—क्योंकि, कि, और, इसलिए, तब आदि।
- संयुक्त/मिश्र वाक्यों को सरल वाक्यों में बदलते समय योजक शब्दों या संबंधबोधक अव्ययों का लोप करना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किसान ने खेत में नाली बनाकर अपने खेत की सिंचाई की। वाक्य रचना की दृष्टि से है
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य (घ) सामान्य वाक्य

2. संध्या ने पेन माँगा और वह उसे मिल गया, का मिश्र वाक्य बनेगा
(क) संध्या ने जो पेन माँगा था, वह उसे मिल गया।
(ख) संध्या को वह पेन मिल गया जो उसने माँगा था।
(ग) यद्यपि संध्या ने पेन माँगा, तथापि उसे मिल गया।
(घ) संध्या के पेन माँगते ही उसे मिल गया।

3. रजनी बीमार है तथा उसने दवा नहीं ली, का सरल वाक्य बनेगा
(क) रजनी बीमार है, क्योंकि उसने दवा नहीं ली।
(ख) बीमार रजनी ने दवा नहीं ली।
(ग) दवा न लेने के कारण रजनी बीमार है।
(घ) जब रजनी ने दवा नहीं ली तब वह बीमार हो गई।

4. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है
(क) दिनभर वर्षा होने के कारण वह नहीं आया।
(ख) वह नहीं आया, क्योंकि दिनभर वर्षा होती रही।
(ग) दिनभर वर्षा होती रही तो वह नहीं आया।
(घ) जब दिनभर वर्षा होगी तब वह कैसे आएगा।

5. 'कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेलकर उसकी जमीन हथिया रहे थे' वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डरों ने समंदर को पीछे धकेला और उसकी जमीन हथिया ली।
(ख) पहले तो कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डरों ने समंदर को पीछे धकेला और फिर उसकी जमीन हथिया ली।
(ग) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर ने समंदर को धकेला, क्योंकि वे उसकी जमीन को हथियाना चाहते थे।
(घ) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे और उसकी जमीन हथिया रहे थे।

6. अधिक पढ़ने पर अधिक लाभ होगा, का मिश्र वाक्य बनेगा
(क) अधिक पढ़ोगे, तो अधिक लाभ होगा।
(ख) जो अधिक पढ़ेगा उसे अधिक लाभ होगा।
(ग) अधिक पढ़ो, क्योंकि इससे अधिक लाभ होगा।
(घ) अधिक पढ़ने से लाभ होता है।

7. मीरा को लाल मिर्च खाने के कारण हिचकियाँ आने लगीं, का संयुक्त वाक्य बनेगा
(क) मीरा को लाल मिर्च खाने पर हिचकियाँ आईं।
(ख) मीरा ने लाल मिर्च खा ली, इसलिए उसे अधिक हिचकियाँ आने लगीं।
(ग) जैसे ही मीरा ने लाल मिर्च खाई वैसे ही उसे हिचकियाँ आने लगीं।
(घ) हिचकियाँ आने का कारण मीरा का लाल मिर्च खाना था।

8. निम्नलिखित में सरल वाक्य है
(क) स्कूल फीस माफ कराने के लिए एक प्रार्थना-पत्र लिखो।
(ख) एक पत्र लिखो और स्कूल फीस माफ कराओ।
(ग) स्कूल फीस माफ करानी थी, इसलिए पत्र लिखा गया।
(घ) ज्यों ही प्रार्थना-पत्र लिखा, त्यों ही स्कूल फीस माफ हो गई।

9. वह दो दिन गाँव में रहा और सबका प्रिय हो गया, का सरल वाक्य बनेगा
(क) दो दिन गाँव में रहो और सबका प्रिय बन जाओ।
(ख) दो दिन गाँव में रहते ही वह सबका प्रिय हो गया।
(ग) वह दो दिन गाँव में रहकर सबका प्रिय हो गया।
(घ) जब दो दिन वह गाँव में रहा तब सबका प्रिय हो गया।

10. सुबह होते ही सभी लोग काम पर निकल पड़ते हैं, वाक्य रचना की दृष्टि से है
(क) मिश्र वाक्य (ख) असाधारण वाक्य
(ग) सरल वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

11. जो व्यक्ति परिश्रमी होते हैं, वे अच्छे लगते हैं, का सरल वाक्य बनेगा
(क) परिश्रमी व्यक्ति अच्छे लगते हैं।
(ख) परिश्रमी व्यक्ति अधिक अच्छे लगते हैं।
(ग) यद्यपि वह परिश्रमी है, तथापि वह अच्छे लगते हैं।
(घ) अच्छे लगने वाले व्यक्ति परिश्रमी होते हैं।

12. गाड़ी मिलते ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी, का मिश्र वाक्य बनेगा
(क) मैं कोलकाता पहुँच जाती अगर गाड़ी मिल जाती।
(ख) जैसे ही गाड़ी मिलेगी, वैसे ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी।
(ग) गाड़ी मिली और कोलकाता पहुँच गई।
(घ) मुझे कोलकाता पहुँचना था, इसलिए गाड़ी मिल गई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है
(क) मामाजी ने मुझे पढ़ाया ताकि सेना में भर्ती हो सकूँ।
(ख) मामाजी ने ज्यों ही मुझे पढ़ाया त्यों ही सेना में भर्ती हो गई।
(ग) मामाजी ने मुझे पढ़ाया और सेना में भर्ती कराया।
(घ) सेना में भर्ती कराने हेतु मामाजी ने मुझे पढ़ाया।

14. 'माताजी ने गाना गाया और दादी झूमने लगी।' वाक्य-रचना की दृष्टि से है
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) सामान्य वाक्य

15. सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में अथवा संयुक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलने को कहते हैं
(क) वाक्य निर्माण (ख) वाक्य संश्लेषण
(ग) वाक्य रूपांतरण (घ) वाक्य प्रक्रिया

16. 'सायंकाल हुआ और पक्षी अपने-अपने घोंसलों में लौट गए'। वाक्य रचना की दृष्टि से है
(क) मिश्र वाक्य (ख) सरल वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य (घ) सामान्य वाक्य

17. स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहते हैं, का मिश्र वाक्य बनेगा
(क) जो स्वावलंबी होते हैं, वे सदा सुखी रहते हैं।
(ख) सदा सुखी रहने वाला व्यक्ति स्वावलंबी होता है।
(ग) यदि सदा सुखी रहना है, तो स्वावलंबी बनना चाहिए।
(घ) जो सदा सुखी रहना चाहते हैं, वो स्वावलंबी बनें।

18. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है
(क) विपत्ति आती है तो अपने भी साथ छोड़ देते हैं।
(ख) जैसे ही विपत्ति आई वैसे ही अपनों ने साथ छोड़ दिया।
(ग) विपत्ति आई और अपने चले गए।
(घ) विपत्ति और अपने आते-जाते रहते हैं।

19. निम्नलिखित में सरल वाक्य है
(क) वामीरो कुछ सचेत होने पर घर की ओर दौड़ी।
(ख) जैसे ही वामीरो सचेत हुई वैसे ही वह घर की ओर दौड़ी।
(ग) जब वामीरो सचेत होगी तब वह घर की ओर दौड़ेगी।
(घ) वामीरो सचेत हुई, क्योंकि उसे घर की ओर दौड़ना था।

20. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है
(क) वह बाजार गई और साड़ी खरीदी।
(ख) वह साड़ी खरीदेगी, इसलिए बाजार गई।
(ग) उसे साड़ी खरीदनी थी, इसलिए वह बाजार गई।
(घ) जैसे ही वह बाजार गई वैसे ही उसने साड़ी खरीद ली।

21. मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में अथवा संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में बदलने को क्या कहते हैं?
(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)
(क) वाक्य निर्माण
(ख) वाक्य संश्लेषण
(ग) वाक्य प्रक्रिया
(घ) वाक्य रूपांतरण

22. 'कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिलने पर भी बड़े भाई साहब चुप रहे' का संयुक्त वाक्य बनेगा
(CBSE 2020, Modified)
(क) मुझे डाँटने के कई अवसर मिलने के बाद भी बड़े भाई साहब चुप रहे।
(ख) यद्यपि कई बार मुझे डाँटने के अवसर मिले फिर भी बड़े भाई साहब चुप रहे।
(ग) मुझे डाँटने के कई अवसर मिले, किंतु बड़े भाई साहब चुप रहे।
(घ) मुझे डाँटने के कई अवसर मिलने के बावजूद बड़े भाई साहब चुप रहे।

23. उससे मिल लेना, परंतु प्रतीक्षा करनी पड़ेगी, का मिश्र वाक्य बनेगा
(क) उससे मिलने के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।
(ख) यदि उससे मिलना हो, तो प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।
(ग) जब उससे मिलें तब प्रतीक्षा करनी पड़ी।
(घ) उससे मिलें परंतु प्रतीक्षा करनी पड़ी।

24. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है
(क) वह आलसी था, इसलिए विफल हुआ।
(ख) वह आलसी था तथा विफल हुआ।
(ग) ज्यों ही वह आलसी हुआ त्यों ही विफल हुआ।
(घ) यदि वह आलसी होता, तो विफल होता।

25. 'निर्दयी मनुष्य राक्षस के समान है।' वाक्य रचना की दृष्टि से है
(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) सामान्य वाक्य (घ) मिश्र वाक्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

26. 'वामीरो से मिलने के बाद ततांरा के जीवन में परिवर्तन आया' का मिश्र वाक्य बनेगा

(CBSE 2019, Modified)

(क) ततांरा वामीरो से मिला और उसके जीवन में परिवर्तन आ गया।
(ख) जब ततांरा वामीरो से मिला तब उसके जीवन में परिवर्तन आया।
(ग) वामीरो से मिलते ही ततांरा के जीवन में परिवर्तन आया।
(घ) जैसे ही ततांरा वामीरो से मिला, उसका जीवन परिवर्तित हो गया।

27. सुजाता सब्जी खरीदने बाजार गई, का संयुक्त वाक्य बनेगा

(क) जब सुजाता बाजार गई तब उसने सब्जी खरीदी।
(ख) बाजार जाते ही सुजाता ने सब्जी खरीदी।
(ग) सुजाता बाजार गई, क्योंकि उसे सब्जी खरीदनी थी।
(घ) सुजाता ने बाजार जाते ही सब्जी खरीदी।

28. घंटी बजी और छात्र कक्षा से निकलकर घर चले गए। वाक्य-रचना की दृष्टि से है

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) सामान्य वाक्य

29. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है

(क) यह वही भारत देश है, जो सोने की चिड़िया कहलाता था।
(ख) सोने की चिड़िया भारत कहलाता था, क्योंकि वह एक देश है।
(ग) भारत एक देश है और सोने की चिड़िया कहलाता है।
(घ) जैसे ही भारत देश बना वैसे ही वह सोने की चिड़िया कहलाने लगा।

30. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है

(क) वह अपराधी था और उसे सजा मिली।
(ख) वह अपराधी था, इसलिए उसे सजा मिली।
(ग) प्रत्येक अपराधी को सजा मिलती है।
(घ) जैसे ही वह अपराधी बना वैसे ही उसे सजा मिली।

उत्तरमाला

1. (क)	2. (क)	3. (ख)	4. (ख)	5. (ग)	6. (ख)	7. (ख)	8. (क)	9. (ग)	10. (ग)
11. (क)	12. (ख)	13. (ग)	14. (ख)	15. (ग)	16. (ग)	17. (क)	18. (ख)	19. (क)	20. (ग)
21. (घ)	22. (ग)	23. (ख)	24. (क)	25. (क)	26. (ख)	27. (ग)	28. (ख)	29. (क)	30. (ख)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in